

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--- खण्ड 3--- उपलब्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ft)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 455] नई विस्ली बृहस्पतिबार, नव∓बर 6, 1975/कार्तिक 15, 1897

No. 455] NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 6, 1975/KARTIKA 15, 1897

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या ी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

ORDER

New Delhi, the 6th November 1975

\$.0. 642(E).—In exercise of the powers conferred by section 109 of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), the Central Government, being of opinion that it is necessary and expedient in the public interest so to do, hereby exempts every licensed dealer from the operation of so much of the provisions of sections 21, 32 and 34 of the said Act as relates to the possession, custody or control of primary gold which is used as 'testing needles', subject to the conditions that—

- (a) no testing needle in the possession, custody or control of such dealer shall weigh more than two grammes;
- (b) the purity of gold shall be marked on each testing needle;
- (c) the aggregate weight of all the testing needles in the possession, custody or control of such dealer shall not, at any time, exceed one hundred grammes over and above the total quantity of primary gold permitted under section 32 of the said Act;
- (d) the dealer shall not, except with the prior permission of the Gold Control Officer, sell any testing needle to any other dealer unless such other dealer has been authorised by such officer in writing to purchase such testing needle:

Provided that no such authorisation shall be given by such officer unless he is satisfied that the aggregate weight of testing needles in the possession, custody or control of the purchaser will not exceed, after the purchase, one hundred grammes; and

(c) the dealer

(i) shall maintain in the form specified below an account of the testing needles in his possession, custody or control or acquired by him, namely:—

FORM

Account of Testing Needles for own use

Date	Receipts		Loss in use during the	Balance at the end of the month.	
	No. of testing needles in possession, custody or control or those acquired.	Weight	mouth.		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	

(ii) if he sells any testing needles, shall maintain in the form specified below an account of such testing needles, namely:—

FORM
Account of Testing Needles for sale

Date	Receipts		Sold		Balance	
	No. of testing needles.	Weight	No. of testing needles.	Weight	No. of testing needles.	Weight
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)

[No. 16/75 F. No. 143/4/71-GCII]

M. G. ABROL, Addl. Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व ग्रीर बीमा विभाग)

भादेश

र्िनई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1975

का० भा० 642(भा).—केन्द्रीय ध्रींसरकार स्वर्ण (नियंद्रण) ध्रिधिनियम, 1968 (1968 का 45) की धारा 109 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्रपनी यह राय होने पर कि लोक हित में ऐसा करना श्रावश्यक श्रीर समीचीन है, प्रत्येक श्रनुज्ञप्त व्यवहारी को, उक्त श्रिधिनियम की धारा 21, 32 श्रीर 34 के उपबन्धों के उस भाग के, जिसका

सम्बन्ध ऐसे प्राथमिक स्वर्ण के कब्जे, ग्रिभरक्षा या नियंत्रण से है, जिसको परख सूचिकाग्रों के रूप में उपयोग किया जाता है, निम्नलिखित शर्ती के मधीन, प्रवर्तन से छूट देती है, मर्पात्:--

- (क) ऐसे व्यवहारो के कब्जे, ग्रिभिरक्षा या नियंत्रण में की कोई भी परख सिचका भार में दो ग्राम से अधिक तहीं होगी;
- (ख) स्वर्ण की शुद्धता प्रत्येक परख सुचिका पर प्रंक्षित होगी;
- (ग) ऐसे व्यवहारी के कब्बे, अभिरक्षा या नियन्त्रण में की सभी परख सुचिकाओं का कुल भार, किसी भी सनय, उनत प्रधिनियम की धारा 32 के प्रधीन प्रनृज्ञप्त प्राथिक स्वर्गकी कुल मात्रा से उत्तर 100 ग्राम से श्रक्षिक नदी होगा:
- (घ) अपवहारी, स्वर्ग नियंत्रण अधिकारी की पूर्व अनुज्ञा के बिना, किसी अन्य व्यव-हारों को कोई परका सूचिका तब तक नहीं बेचेगा, जब तक ऐसे ग्रन्थ ध्यवहारी को ऐसो परख सूचिका खरीदने के लिए ऐसे प्रधिकारी द्वारा लिखित रूप में प्राधिकृत नहीं किया गया हो;

परन्तू ऐसे अधिकारी द्वारा ऐसा प्राधिकार तब तक नहीं दिया जाएगा, जब तक की उपका यह समाधान नहीं हो जाए कि कोता के कब्जे, ग्रिभिरक्षा या नियन्त्रण में की परख सुचित्रों का कुल भार, कय के पश्चात् सौ ग्राम से ग्रधिक नहीं होगा; ग्रौर

(इ.) व्यवहारी

(i) अपने कड़ने, ग्रभिरक्षा या निय्त्रण में की या श्रपने द्वारा श्रर्जित परख सुचि-काम्रों का लेखा नीचे विनिर्दिष्ट प्ररूप में रखेगा, मर्थातु :---

प्रकृप

निजी उपयोग के लिए परख सुचिकाक्यों का लेखा

प्राप्तियां तारीख			मास के दौरान उप- योग के कारण होने वाली हानि	मास की समाप्ति प ग्रतिगेष	₹
<u></u>	2		 	<u> </u>	

् (ii) यदि वह कोई परखा सूचिकाएं ब्रेचता है, तो वह ऐसी परखा सूचिकाओं का लेखा नीचे विनिर्दिष्ट प्ररूप में रखेगा, भ्रथीत् :—

प्र**कप** विक्रय के लिए परख सूचिकाक्रों का लेखा

तारीख	प्राप्तियां		बेची गई		ग्रतिशेष	
	पर ख तृचियों की भार संख्या		पर ख सूचियों की भार संख्या		परीक्षण सूचियों की भ संख्या	
1	2	3	4	5	6	7

[सं॰ 16/75/ फा॰ सं॰ 143/4/71-स्वर्ण नियंत्रण-II] एम॰ जी॰ श्रवरोल, श्रपर सचिव।